C. S. (MAIN) EXAM, 2009

Sl. No. 483

C–DTN–J–FDA

ECONOMICS

Paper—I

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. ***1*** *and* ***5*** *which are compulsory, and any* ***three*** *of the remaining questions selecting at least* ***one*** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Section—A

1. Answer any *three* of the following. Each answer should not exceed *200* words : 20×3=60

(a) What, according to Arrow, are the axioms required for translating individual preference into social preferences? Why is it impossible to construct social preferences satisfying those axioms?

(b) "Subjective approach to taxation leads to least aggregate sacrifice principle." Elucidate. Also give the limitations of this principle.

(c) What is high-powered or base money (H)? Is it an autonomous policy-determined variable? Explain.

(d) "Cambridge equation determines income (Y) assuming rate of interest (r) as given, whereas Keynes theory of interest rate determination assumes given income. Both are thus incomplete."

Do you agree with the above assertion? How would then these two variables (Y and r) be determined simultaneously?

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए, जिनमें से प्रत्येक *200* शब्दों से अधिक में नहीं होना चाहिए : $20 \times 3 = 60$

(क) व्यक्तिगत अधिमान को सामाजिक अधिमानों में स्थानान्तरित करने के लिए, ऐरो के अनुसार, किन अभिगृहीतों की आवश्यकता होती है? क्या कारण है कि इन अभिगृहीतों को सन्तुष्ट करने वाले सामाजिक अधिमानों का निर्माण करना असम्भव होता है?

(ख) "कराधान के प्रति व्यक्तिनिष्ठ उपागम का परिणाम न्यूनतम समस्त त्याग सिद्धान्त होता है।" विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए। साथ ही इस सिद्धान्त की परिसीमाएँ भी बताइए।

(ग) उच्च-शक्ति या आधार मुद्रा (H) क्या होती है? क्या यह एक स्वायत्त नीति-निर्धारित चर होता है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) "कैम्ब्रिज समीकरण ब्याज दर (r) को दत्त मानकर आय (Y) का निर्धारण करता है, जबकि ब्याज दर निर्धारण की केन्स की थियोरी आय को दत्त मानकर आगे बढ़ती है। इस प्रकार ये दोनों अपूर्ण हैं।"

क्या आप उपरोक्त दृढ़ोक्ति से सहमत हैं? ऐसी स्थिति में इन दोनों चरों (Y और r) का निर्धारण एक-साथ किस प्रकार किंया जा सकता है?

2. Demand for light bulbs can be characterised by $Q = 100 - P$, where Q is millions of boxes of lights sold and P is the price per box. There are two producers of lights having identical cost functions :

$$C_i = 10Q_i + \tfrac{1}{2}Q_i^2 \quad (i = 1,\ 2)$$

$$Q = \sum_{i=1}^{2} Q_i = Q_1 + Q_2$$

(a) Unable to recognise the potential for collusion, managers of the two firms act as short-run perfect competitors. What are the equilibrium values of Q_1, Q_2 and P? What are each firm's profits?

(b) Manager of each firm independently recognises the oligopolistic nature of light bulbs industry and plays Cournot. What are the equilibrium values of Q_1, Q_2 and P? What are each firm's profits?

(c) Suppose Firm I guesses correctly that Firm II has Cournot conjectural variation, so it plays Stackelberg. What are the equilibrium values of Q_1, Q_2 and P? What are each firm's profits?

(d) If the managers of two firms collude, what are the equilibrium values of Q_1, Q_2 and P? What are each firm's profits?

60

2. रोशनी बल्बों की माँग को $Q = 100 - P$ के द्वारा निरूपित किया जा सकता है, जहाँ Q बिके बल्बों के मिलियन बक्से हैं और P प्रति बक्सा कीमत है। बल्बों के दो उत्पादक हैं, जिनके सर्वसम लागत फलन हैं :

$$C_i = 10Q_i + \frac{1}{2}Q_i^2 \quad (i = 1,\ 2)$$

$$Q = \sum_{i=1}^{2} Q_i = Q_1 + Q_2$$

(क) गाँठसाँठ करने की सम्भावना को पहचान न पाने के कारण दोनों फर्मों के प्रबन्धक अल्पावधि पूर्ण प्रतियोगी की भाँति व्यवहार करते हैं। Q_1, Q_2 और P के साम्यावस्था मान क्या हैं? प्रत्येक फर्म के मुनाफे कितने हैं?

(ख) प्रत्येक फर्म का प्रबन्धक स्वतंत्र रूप से रोशनी बल्ब उद्योग की अल्पाधिकारी प्रकृति को पहचान लेता है और कोर्नो का व्यवहार करता है। Q_1, Q_2 और P के साम्यावस्था मान क्या हैं? प्रत्येक फर्म के मुनाफे कितने हैं?

(ग) मान लीजिए कि फर्म I सही-सही अन्दाजा लगा लेती है कि फर्म II का कोर्नो आनुमानिक वैभिन्न्य है, सो इसलिए वह स्टैकलबर्ग का व्यवहार करती है। Q_1, Q_2 और P के साम्यावस्था मान क्या हैं? प्रत्येक फर्म के मुनाफे कितने हैं?

(घ) यदि दोनों फर्मों के प्रबन्धक गाँठसाँठ कर लेते हैं, तो Q_1, Q_2 और P के साम्यावस्था मान क्या होंगे? प्रत्येक फर्म के मुनाफे कितने हो जाएंगे? 60

3. Answer the following in not more than *200* words each : 20×3=60

(*a*) "A dominant firm acts as a price leader and other firms adjust their outputs accordingly." Comment.

(*b*) "The direct money burden of the tax imposed on any object is divided between the buyers and the sellers in the proportion of the elasticity of supply of the object taxed to the elasticity of demand for it." Discuss.

(*c*) What is "Scitovsky's paradox"? How far has Scitovsky been successful in removing contradictions in Kaldor-Hicks compensation criteria of welfare?

4. "If expectations (regarding price level) were always fulfilled, short-run aggregate supply curve would always be vertical."

Critically examine this statement of New Classical Economics. What would be the shape of the curve, if expectations were not realised? What other assumption is made by New Classical Economists in this context and what is its implication? 60

3. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जिनमें से कोई भी *200* शब्दों से अधिक में न हो : 20×3=60

(क) ''प्रमुख फर्म कीमत अग्रणी के तौर पर व्यवहार करती है और अन्य फर्में अपने उत्पाद का समायोजन उसके अनुसार करती हैं।'' टिप्पणी कीजिए।

(ख) ''किसी वस्तु पर आरोपित कर का प्रत्यक्ष धन भार, करारोपित वस्तु की पूर्ति लोच और उसी वस्तु के माँग लोच के समानुपात में क्रेताओं और विक्रेताओं के बीच विभाजित हो जाता है।'' चर्चा कीजिए।

(ग) 'सिटोवस्की का विरोधाभास' क्या है? कल्याण की कैल्डर-हिक्स प्रतिपूर्ति कसौटियों में अन्तर्विरोधों का निराकरण करने में सिटोवस्की किस सीमा तक सफल रहा है?

4. ''यदि प्रत्याशाएँ (कीमत स्तर के सम्बन्ध में) सदैव सही साबित होती रहें, तो अल्पकालिक समस्त पूर्ति वक्र हमेशा ही ऊर्ध्वाधर होगा।''

नव क्लासिकीय अर्थशास्त्र के इस कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। यदि प्रत्याशाएँ पूरी न हों, तो वक्र की आकृति क्या होगी? इस सन्दर्भ में नव क्लासिकीय अर्थशास्त्रियों द्वारा अन्य क्या अभिगृहीत किया जाता है और उसका निहितार्थ क्या है? 60

Section—B

5. Answer any *three* of the following. Each answer should not exceed *200* words : 20×3=60

(*a*) "If each country is endowed with a certain fixed commodity combination, the differences in demand patterns in these countries can lead to emergence of international trade."

Explain this statement with the help of offer curves of the two countries.

(*b*) Bring out the differences in the definitions of deficit financing given by different authorities in India and examine the role of deficit financing as an instrument of monetary control.

(*c*) "In the presence of domestic distortions, subsidies are the first best policies and tariffs are the second best." Do you agree? Explain.

(*d*) Critically evaluate Kuznets inverted U-shaped curve hypothesis of income distribution. Does it hold good for less developed countries as well?

6. Do you subscribe to the view that in a small open economy with perfect capital mobility, expansionary fiscal policy is ineffective under freely flexible exchange rate, whereas expansionary monetary policy will increase the national income? Elaborate your answer using suitable diagrams. 60

खण्ड—ख

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर *200* शब्दों से अधिक में नहीं होना चाहिए : 20×3=60

(क) ''यदि प्रत्येक देश किसी एक विशेष नियत पण्य सम्मिश्रण से सम्पन्न हो, तो उन देशों में माँग प्ररूपों में अन्तर के फलस्वरूप अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का उद्गमन हो सकता है।''
इस कथन को दो देशों के पेशकश वक्रों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

(ख) भारत में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा दी गई घाटा वित्तीयन की परिभाषाओं में अन्तरों पर प्रकाश डालिए और मौद्रिक नियंत्रण के एक उपकरण के रूप में घाटा वित्तीयन की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

(ग) ''घरेलू विकृतियों की उपस्थिति में सहायिकियाँ (सब्सिडियाँ) प्रथम सर्वोत्तम नीतियाँ होती हैं और प्रशुल्क द्वितीय सर्वोत्तम होते हैं।'' क्या आप इस बात से सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।

(घ) आय वितरण की कुज़नेट्स की प्रतिलोमित U-आकृतिक वक्र परिकल्पना का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। क्या यह परिकल्पना अल्प विकसित देशों के लिए भी सही उतरती है?

6. क्या आप यह विचार रखते हैं कि पूर्ण पूँजी गतिशीलता वाली लघु मुक्त अर्थव्यवस्था में निर्बाध रूप से नम्य विनिमय दर के अधीन विस्तारशील राजकोषीय नीति अप्रभावी होती है, जबकि विस्तारशील मौद्रिक नीति राष्ट्रीय आय में वृद्धि करती है? उपयुक्त आरेखों का इस्तेमाल करते हुए अपने उत्तर को सुस्पष्ट कीजिए। 60

7. "Expansion of high productivity sector absorbs more and more labour from subsistence sector indicating that dualism is a powerful tool of development planning."

Critically evaluate Lewis model of development in the light of the above statement and examine relevance of the model for contemporary India. 60

8. Answer the following, limiting your answer to about *200* words for each : 20×3=60

(a) Define a balance of payments function and explain the factors that cause a shift in this function. Explain the general equilibrium situation in a four-sector IS-LM model.

(b) Explain Milton Friedman's reformulation of the Quantity Theory of Money.

(c) What is Human Development Index (HDI)? Give its limitations as a measure of economic development and suggest improvement(s).

7. "उच्च उत्पादकता क्षेत्रक का विस्तार निर्वाह-मात्र क्षेत्रक से अधिकाधिक श्रम का अवशोषण कर लेता है, जो इस बात का सूचक है कि द्वैतवाद विकास योजनाकरण का एक शक्तिशाली उपकरण होता है।"

उपरोक्त कथन के प्रकाश में विकास के लुई मॉडल का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और साथ ही समकालीन भारत के लिए उस मॉडल की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए। 60

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक के उत्तर दीजिए और अपने प्रत्येक उत्तर को लगभग *200* शब्दों तक सीमित रखिए : $20 \times 3 = 60$

(क) अदायगी सन्तुलन प्रकार्य को परिभाषित कीजिए और उन कारकों को स्पष्ट कीजिए जो इस प्रकार्य में विस्थापन का कारण बनते हैं। चतुर्विध क्षेत्रक IS-LM मॉडल में सामान्य साम्यावस्था परिस्थिति को स्पष्ट कीजिए।

(ख) मुद्रा की मात्रा थियोरी के मिल्टन फ्रीडमैन के पुनःसंरूपण को स्पष्ट कीजिए।

(ग) मानव विकास सूचकांक (एच॰ डी॰ आइ॰) से क्या तात्पर्य है? आर्थिक विकास के एक माप के रूप में उसकी परिसीमाएँ बताइए और उसमें सुधार के सुझाव दीजिए।

★ ★ ★

C–DTN–J–FDA

अर्थशास्त्र

प्रश्न-पत्र—I

समय : तीन घण्टे	पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अन्त में दिए गए हैं।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.